HARYANA STATE S.A.S. EXAMINATION PART-I

PRECIS AND DRAFTING (English & Hindi) Sept. 1994.

(Without the aid of books)

Time allowed: 3 Hours Max.Marks:100

Q. 1 Prepare a draft letter from the Chief Secretary to all the District Magistrates in the State directing them to take precautionary measures for maintenance of law and order during elections. (200 words) **(20 Marks)**

Q. 2 Frame sentences using the following phrases: -

i. To pay heed
ii. Hand in glove
iii. Expost facto
iv. To see through
v. to bring to book **(5 marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 3 Do as direct: -

i. Please postpone this meeting (change into passive voice)
ii. The Supdt. said to Karan, “Why did you not attend the Office Yesterday? (Change into indirect speech)
iii. Keep liaison with him continuously. (re-write the sentence using verb form of 'liaison')
iv. Meteorological Deptt. forecasts weathers (Change into passive voice)
v. A table is needed for the officer with sunmica top. (correct the sentence) **(5 marks)**

Q. 4 Translate any twenty of the following into Hindi:

1. Budget allocation
2. Evidence
3. Draft for approval
4. Censure
5. Oath taking ceremony
6. Inconvenience
7. Archaeological Survey
8. Adhoc Appointment

9. Calamity Relief Fund
10. Call attention motion
11. On priority basis
12. Sales deed
13. Eradication
14. Chief Stamp Auditor
15. Status quo
16. Institutional Finance
17. Administrative matters
18. Economic and Statistical Advisor
19. Prescribed authority
20. Precedent
21. Required qualification
22. Note of Dissent
23. Documentary proof
24. Mandatory
25. Appropriation account

(20 marks)

Q. 5 वित्तायुक्त राजस्व की ओर से जिलों के सभी उपायुक्तों के नाम लिखे जाने वाले अर्ध सरकारी पत्र का प्रारूप प्रस्तुत करें जिसमें स्टाम्प–शुल्क की चोरी रोकने बारे निर्देश दिए गए हों ।

(200 शब्दों में) **(20 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 6 उपयुक्त शीर्षक देते हुए निम्नलिखित परिच्छेद का सारांश बनाइए जो मूल का एक तिहाई भाग हो ।

शिक्षा राष्ट्रीय संस्कृति की व्यापक अभिव्यंजना है । यह व्यक्ति एवं समाज की सामावित प्रगतीलिता का आयाम है । शिक्षा में हम दूसरे को चिंत, प्रेम, सदभाव, सहयोग और अपने “स्व” से बढ़कर सम्पूर्ण विश्व के कल्याण की प्रतियों उन्मीलित होते हैं । वैदिक मंत्रों में शिक्षा या विद्या की जो परिभाषा प्रस्तुत की है वह इतनी सटीक और सारगर्भित है कि उसकी समकक्षीय परिभाषा विश्व साहित्य में कदाचित ही उपलब्ध हो “सा विद्या या विमुक्तये । विद्या वही है जो मनुष्य को बंधनों, रूढ़ियों, अंधविश्वासों, संकीर्णताओं और दुर्व्यसनों से मुक्ति दिला दे । भारतीय मनीषियों ने सभी मांगलिक समारोहों में सरस्वती वंदना के समान शिक्षा क्षेत्र को ही प्राथमिकता प्रदान करके सम्मान के उच्च शिखर पर प्रतिष्ठित किया था । इस विषय में उनकी दूरदर्शिता स्पष्ट थी, क्योंकि शिक्षा हर क्षेत्र को प्रभावशाली, सर्जनशील, चरित्रवान व्यक्ति देती है, सम्पन्न इसलिए उन्हें शिक्षा का प्रखर पक्षधर कहा है । सौभाग्य से भारतीयों को पैतृक सम्पत्ति के रूप में ज्ञान राशि का असमाप्य वैभव प्राप्त हुआ है ।

माता–पिता के संरक्षण में बालक को जो शिक्षा प्राप्त होती है, उससे संस्कारों की एक भूमिका तैयार होती है । युग युगान्तर परम्पराओं में परिवर्तन होते चले आये हैं प्रत्येक युग की पीढ़ी कुछ परम्पराओं का परिष्कार, परिष्कार और परिष्कार करके ही आगे बढ़ती है । मूल्ययुक्त शिक्षा का ज्योतिर्मय स्तम्भ तो युग युगान्तर तक दिशाओं को आलोकित करता ही रहेगा । यदि वर्तमान में विकास की गति अवरुद्ध हो जाए तो अतीत में झांक लेना कोई नासमझी नहीं है क्योंकि अतीत के बिना वर्तमान गतिहीन है । **(30 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264